Date 26.8.24
Page 1

Tender Hart High School, Sec. 33-B, CHD,

काझा - सातर्वीं ब्रिक्सिन - सुमन शर्मी विषय - हिंदी साहित्य ८ पुनराश्चीत पाठ - 5'असीक की कालिंग-विजय' पाठ-6 'ब्रह्मकी गवाही'

प्रम-1 निम्निलियित गय्यांश की पढ़कर प्रह्ने गरु प्रश्नी के उत्तर

मोहन- नमस्कार गोविद , आओ।

गीविंद - नमस्कार (बैठ जाता है) माई मीहन, में तीर्घयात्रा पर जा रहा हूं। चार -पॉच महीने भें तीर्द्र गा इसलिस भें सीचता हूं कि रूपर तुम्हारे पास स्खजाऊँ। सूने घर भें

रखना ठीक नहीं।

भीरन- बड़ी खुरती से । तुम्हारा ही ही घर है। कितने रूपर

जीविंद- कुक ती भैं यात्रा के लिस् ले नार्जेगा। स्म हज़ार रूपस बनीते हैं, वे रख नार्जेगा।

— व्यानि गारी -

नब तुम वहीं गरु थे, तभी ब्रुक्ष गवारी देकर चला गया।

न्यायाधीश ने यह नात क्यों कही?

(स) किन बातों से पता चलता है कि भोहन के मन में शुरू

(ग) तुम रसीय या गवाह लाझी, भें रूपर हैने की तैयार हूँ।

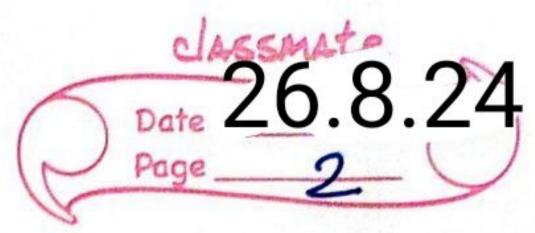
(घ) शब्दों के अर्थ लिखी: - आड़, खेद, गवाह, भील

प्रथम-2 निम्नालिखित पद्यांश की पढ़ी और प्रके गरा प्रथमीं के

जिसके वैभव पर मुन्ध हुई जन की नज़रें, जयकार किया करती भी गंगा की लहरें! इतिहास न भूल सकेगा वह घटना महान, प्रातः वैला, लाली से रंजित आसमान।

248-1)

Scanned with CamScanner



Scanned with CamScanner

विषय - हिंदी साहित्य (युनश श्रीते वैदे उद्घीषक गली-गली उन्मत्त, क्रुद्धा, कहते क्रिलेंग से आज भगध का उना सुद्ध - अशीक की किलंग-विजय-कवि- नयशंकर प्रसाद कोलेंग ! ज्वलंत तवे पर ज्यों पानी -अवाक कान या ? इसे कविता का शीर्षक उपयुक्त है या नहीं ? अपनेमन से इस कविता की कीई अन्य शीर्षक दी जिस् । नीचे दिस् गरा शब्दों के अर्थ लिखें:— भाल, असर, उन्मल, विलोक अतिम एक:-2